कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कार्य आयोजना एवं वन बंदोबस्त, राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः–एफ ( ) मुवसं./सू.प्रो./ 783-930 दिनांकः– 28/11/14

निमित्त,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, (हॉफ) / (का.आ.व.ब) / (ट्री) राज. जयपुर
समस्त अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक/
समस्त मुख्य वन संरक्षक/समस्त वन संरक्षक/
समस्त उप वन संरक्षक, राजस्थान।

महोदय,

वन विभाग द्वारा डिजिटाइज्ड वन सीमाओं का उपयोग कार्य आयोजना बनाने तथा बायोस्फीयर रिजर्व, ग्रीन इंडिया मिशन, आदि की योजना बनाने में किया जा रहा है। इसी क्रम में अब सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग द्वारा इन डिजिटाइज्ड वन सीमाओं को **प्रबंधन एवं प्रबोधन** हेतु वन अधिकारियों को उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। फिलहाल एक प्रोग्राम के द्वारा इन वन सीमाओं को Android platform वाले तथा GPS सुविधा वाले किसी भी high end smartphone/Tablet पर अपलोड किया जा सकता है। राजकीय दौरों के दौरान इन smartphone/ Tablet के माध्यम से वन खण्ड़ों की स्थिति देखी जा सकती है तथा उन तक पहुंचा जा सकता है। भविष्य में विकास कार्यो के स्थलों को भी इस सुविधा से जोड़े जाने का प्रयास किया जायेगा।

इस सुविधा का उपयोग करने के इच्छुक अधिकारी सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग से संपर्क कर सकते हैं। उपरोक्त सुविधा के उपयोग हेतु उपकरण DGS&D पर उपलब्ध है तथा इनका कय हेतु भी सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग से धन राशि की मांग की जा सकती हैं। जिन अधिकारियों के पास ऐसे उपकरण उपलब्ध है, वे सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग से संपर्क कर वन सीमायें प्राप्त कर सकते है। ज्ञातव्य हो कि इन वन सीमाओं का उपयोग विधिक कार्यो (legal purpose) के लिये नही किया जा सकता है।

फिलहाल सीकर, झुंझुनु, भीलवाड़ा, नागौर, झालावाड़, टोंक, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, बारां, बून्दी, पाली, जैसलमेर, धौलपुर, जोधपुर, जालौर एवं दौसा जिले की वन सीमायें इस प्रयोजनार्थ उपलब्ध हैं। अन्य जिलों की वन सीमायें डिजिटाइजेशन उपरांत उपलब्ध करायी जायेंगी।

भवदीय,

(अरिन्दम तोमर)
मुख्य वन संरक्षक,
सूचना प्रौद्योगिकी,
जयपुर।